

# Оглавление

|   |     |
|---|-----|
| От партнера издания.....                                  | 8   |
| Предисловие .....   | 11  |
| 1. Триггер.....   | 13  |
| 2. Я не читал эту книгу, но.....                          | 29  |
| 3. Слухи в современных условиях .....                     | 37  |
| 4. Почему сарафанный маркетинг так популярен?.....        | 57  |
| 5. Можно ли измерить слухи?.....                          | 67  |
| 6. Слухи и понимание клиента .....                        | 83  |
| 7. Почему мы разговариваем .....                          | 93  |
| 8. Узлы.....  | 111 |
| 9. Мир тесен. И что же?.....                              | 141 |
| 10. Как распространяются слухи .....                      | 163 |
| 11. Заразительные продукты .....                          | 185 |
| 12. Ускорение естественного распространения.....          | 199 |
| 13. Как выйти за обычные рамки, не переступая черту ..... | 207 |
| 14. Активный посев.....                                   | 219 |
| 15. История.....  | 231 |
| 16. Дайте нам повод для разговоров .....                  | 239 |
| 17. Сила участия.....                                     | 255 |
| 18. Неравномерное распределение информации .....          | 271 |
| 19. Скорее кафе, чем станция метро.....                   | 279 |
| 20. Wall Street Journal и женское белье .....             | 287 |
| 21. Утратила ли реклама свое значение? .....              | 299 |
| 22. Слухи в каналах продаж.....                           | 313 |
| 23. Сводим все воедино.....                               | 325 |
| 24. Мастерская слухов.....                                | 353 |
| Примечания .....  | 369 |
| От автора.....  | 397 |